चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जींद

Established by the State Legislature Act 28 of 2014
recognized by UGC Act 1956 U/S 12 B & 2(f)

Public Relations Office

Newspaper: Amar ujala **Date: 17-03-2023**

Youth & Women
युवा • महिला • संस्कृति • समाज

my city जींद

कुछ नया जानने के लिए शोध कार्य करें : नवल किशोर

सीआरएसयू में अनुसंधान और प्रकाशन नैतिकता विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित

संवाद न्यूज एजेंसी

जींद। चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय (सीआरएसयू) में डीन एकेडमिक अफेयर्स और केंद्रीय पुस्तकालय के संयुक्त तत्वावधान में वीरवार से अनुसंधान और प्रकाशन नैतिकता विषय पर दो दिवसीय बहुआयामी राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन हुआ। इस अवसर पर संगोष्ठी निर्देशक प्रो. एस.के. सिन्हा ने कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सीपीडीएचई दिल्ली विश्वविद्यालय के निदेशक डॉ. गीता सिंह ने शिरकत की, जबकि स्कूल आफ मैनेजमेंट स्टडीज इग्नू दिल्ली के प्रो. नवल किशोर मुख्य वक्ता रहे।

सीआरएसयू में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेते प्रतिभागी। विशेष

उन्होंने कहा कि शोधकर्ता को कुछ नया जानने के लिए ज्ञान का अर्जन करने की विचारधारा को ध्यान में रखते हुए शोध कार्य को करना चाहिए। शोधकर्ता को शोध कार्य के परिपेक्ष में सही और गलत का बोध होना चाहिए अपने कार्य के प्रति दृढ़ रहते हुए समाज के लिए उपयुक्तए पारदर्शिता स्पष्ट करते हुए तथा अपने काम के प्रति सम्मान की भावना बिना किसी पक्षपात के रखते हुए करनी चाहिए। शोध कार्य स्वतंत्र रूप से समाज की भलाई के लिए समस्याओं के निदान के परिपेक्ष में होनी चाहिए।

कार्यक्रम के संरक्षक डॉ. रणपाल सिंह, संरक्षिका प्रोफेसर लवलीन मोहन, विभिन्न विश्वविद्यालयों से आए हुए प्रतिभागियों, शोधकर्ताओं तथा सभागार में उपस्थित सभी गणमान्य अतिथियों का स्वागत व आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सीपीडीएचई दिल्ली विश्वविद्यालय की निदेशक डॉ. गीता सिंह ने स्वास्थ्य कारणों के चलते कार्यक्रम की सफलता के लिए ऑनलाइन माध्यम से अपना शुभकामना संदेश भिजवाया। इस अवसर पर मास कम्युनिकेशन विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. बलराम बिंद द्वारा लिखित स्त्री बिंब और टीवी सीरियल पुस्तक का तथा राष्ट्रीय संगोष्ठी में आए हुए विभिन्न शोध पत्रों को एकत्रित करते हुए स्मारिका का माननीय अतिथियों द्वारा विमोचन किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कुलपति डा. रणपाल सिंह ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों से शोध के क्षेत्र में गति मिलती है। विश्वविद्यालय में शोध के स्तर को बढ़ाने के लिए इस तरह के कार्यक्रमों को आयोजित करके शोधार्थियों को शोध के क्षेत्र में बढ़ावा देने के रूप में इस संगोष्ठी का आयोजन करने का उद्देश्य स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि सूचनाओं से ज्ञान प्राप्त होता है तथा अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए एनालिटिकल सोच के द्वारा बुद्धिमत्ता की प्राप्ति होती है। इस अवसर पर उन्होंने आए हुए गणमान्य अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

अन्य राज्यों से 250 से अधिक ने पंजीकरण कराया

प्रो. एस.के. सिन्हा ने बताया कि शोधकार्य किसी समस्या को खोजने तथा उसके निवारण हेतु किया जाता है । किसी शोध का उद्देश्य अप्रत्यक्ष रूप से समाज को लाभ देना ही होता है। शोध में निम्नलिखित बिंदुओं जैसी इमानदारी, एकात्मता, गोपनीयता, जिम्मेदारी तथा सामाजिक उत्तरदायित्व पर ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि इस संगोष्ठी में हरियाणा तथा भारत के अन्य राज्यों से 250 से अधिक प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया है। उन्होंने बताया कि दो दिनों तक चलने वाले इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रतिदिन दो अलग-अलग कक्षाओं में तकनीकी सत्रों का आयोजन किया जाएगा। जिसमें प्रतिभागियों द्वारा अपने शोध पत्रों का वाचन किया जाएगा। आज दो तकनीकी सत्रों का आयोजन किया जाएगा। तकनीकी सत्र प्रथम के अध्यक्षए प्रो. कर्मपाल एच.एस.बी.ए गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय, सह अध्यक्ष डा. नरेश देशवाल सहायक प्राध्यापकए शारीरिक शिक्षा विभाग चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय तथा रिपोर्टियर डा. बालाराम सहायक प्राध्यापक मास कम्युनिकेशन विभाग रहे। इस तकनीकी सत्र में लगभग 70 प्रतिभागियों ने अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया। दूसरे तकनीकी सत्र के अध्यक्ष डा. अनिल कुमार थे।

चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जींद
Established by the State Legislature Act 28 of 2014
recognized by UGC Act 1956 U/S 12 B & 2(f)

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 17-03-2023**

सीआरएसयू में अनुसंधान और प्रकाशन नैतिकता विषय पर दो दिवसीय संगोष्ठी

किसी शोध का उद्देश्य अप्रत्यक्ष रूप से समाज को लाभ देना ही होता है: सिन्हा

▪ 70 प्रतिभागियों ने प्रस्तुत किए शोधपत्र

भास्कर न्यूज | जींद

चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में डीन एकेडमिक अफेयर्स और केंद्रीय पुस्तकालय के संयुक्त तत्वावधान में अनुसंधान और प्रकाशन नैतिकता विषय पर दो दिवसीय बहुआयामी राष्ट्रीय संगोष्ठी का गुरुवार को शुभारंभ हुआ। इसमें हरियाणा और भारत के अन्य राज्यों से 250 से अधिक प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया है। दो दिनों तक चलने वाले इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रतिदिन दो अलग-अलग कक्षाओं में तकनीकी सत्रों का आयोजन किया जाएगा, जिसमें प्रतिभागियों द्वारा अपने शोध पत्रों का वाचन किया जाएगा। दो तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया। तकनीकी सत्र प्रथम के अध्यक्ष, प्रो. कर्मपाल एचएसबी, सह-अध्यक्ष डॉ. नरेश देशवाल, रिपोर्टियर डॉ. बालाराम, सहायक प्राध्यापक मास कम्युनिकेशन विभाग रहे। इसे तकनीकी सत्र में लगभग 70 प्रतिभागियों ने अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया। मुख्य वक्ता, प्रो. नवल किशोर ने बताया कि शोधकर्ता को कुछ नया जानने के लिए ज्ञान का अर्जन करने की विचारधारा को ध्यान में रखते हुए शोध कार्य को करना चाहिए।

जींद. सेमिनार में उपस्थित छात्र छात्राएं व स्टाफ सदस्य।

शोधकर्ता को शोध कार्य के परिपेक्ष में सही और गलत का बोध होना चाहिए। अपने कार्य के प्रति दृढ़ रहते हुए, समाज के लिए उपयुक्त, पारदर्शिता स्पष्ट करते हुए और अपने काम के प्रति सम्मान की भावना बिना किसी पक्षपात के रखते हुए करनी चाहिए। शोध कार्य स्वतंत्र रूप से समाज की भलाई के लिए समस्याओं के निदान के परिपेक्ष में होनी चाहिए।

इस अवसर पर संगोष्ठी निदेशक प्रोफेसर एसके सिन्हा ने कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. गीता सिंह, निदेशक सीपीडीएचई दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, मुख्य वक्ता प्रोफेसर नवल किशोर, स्कूल ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, इग्नू, नई दिल्ली कार्यक्रम के संरक्षक डॉ. रणपाल सिंह, संरक्षिका प्रोफेसर लवलीन मोहन, विभिन्न

जींद. सीआरएस यूनिवर्सिटी में आयोजित सेमिनार में पहुंचे मुख्य अतिथि पुस्तक का विमोचन करते हुए।

विश्वविद्यालयों से आए हुए प्रतिभागियों, शोधकर्ताओं तथा सभागार में उपस्थित सभी गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया। सिन्हा ने कहा कि शोधकार्य किसी समस्या को खोजने और उसके निवारण के लिए किया जाता है। किसी शोध का उद्देश्य अप्रत्यक्ष रूप से समाज को लाभ देना ही होता है। शोध में निम्नलिखित बिंदुओं जैसी ईमानदारी, एकात्मता, गोपनीयता, जिम्मेदारी तथा सामाजिक उत्तरदायित्व पर ध्यान देने की आवश्यकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कुलपति डॉ. रणपाल सिंह ने अपने वक्तव्य में कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों से शोध के क्षेत्र में गति मिलती है। कार्यक्रम की संरक्षिका प्रोफेसर लवलीन मोहन ने संगोष्ठी में आए हुए सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया।

चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जींद
Established by the State Legislature Act 28 of 2014
recognized by UGC Act 1956 U/S 12 B & 2(f)

Public Relations Office

Newspaper Dainik jagran **Date: 17-03-2023**

कार्यक्रमों से शोध कार्य को मिलती है गति सूचनाओं से प्राप्त होता है ज्ञान : कुलपति

- अनुसंधान और प्रकाशन नैतिकता विषय पर संगोष्ठी का शुभारंभ
- शोध क्षेत्र में विशेष काम करने वाले देश भर के शिक्षक ले रहे हैं भाग

जागरण संवाददाता, जींद : चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में अनुसंधान और प्रकाशन नैतिकता विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ हुआ। इस दौरान देश भर के विश्वविद्यालयों से शोध क्षेत्र में विशेष काम करने वाले शिक्षक भाग ले रहे हैं।

इस दौरान सीआरएसयू के कुलपति डा. रणपाल सिंह ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों से शोध के क्षेत्र में गति मिलती है। विश्वविद्यालय में शोध के स्तर को बढ़ाने के लिए इस तरह के कार्यक्रमों को आयोजित किया जाता है। सूचनाओं से ज्ञान प्राप्त होता है और अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए विवेचनात्मक सोच से बुद्धिमत्ता की प्राप्ति होती है।

दिशक प्रोफेसर एसके सिन्हा ने बताया कि कार्यक्रम में सीपीडीएचई दिल्ली विश्वविद्यालय के निदेशक डा. गीता सिंह, इग्नू स्कूल आफ मैनेजमेंट स्टडीज से प्रोफेसर नवल किशोर भाग ले रहे हैं। इसमें देश भर के 250 से अधिक प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया है। तकनीकी सत्र में 70 प्रतिभागियों ने अपना शोध पत्र

कार्यक्रम में स्मारिका का विमोचन करते वीसी व अन्य। ● सौ. सीआरएसयू

प्रस्तुत किया। मुख्य वक्ता प्रोफेसर नवल किशोर ने बताया कि शोधकर्ता को कुछ नया जानने के लिए ज्ञान का अर्जन करने की विचारधारा को ध्यान में रखते हुए शोध कार्य को करना चाहिए।

शोध कार्य के परिपेक्ष में सही और गलत का बोध होना चाहिए, अपने कार्य के प्रति दृढ़ रहते हुए, समाज के लिए उपयुक्त, पारदर्शिता स्पष्ट करते हुए तथा अपने काम के प्रति सम्मान की भावना बिना किसी पक्षपात के रखते हुए करनी चाहिए। शोध कार्य स्वतंत्र रूप से समाज की भलाई के लिए समस्याओं के निदान के परिपेक्ष में होनी चाहिए। इस अवसर पर जन संचार विभाग के सहायक प्राध्यापक डा. बलराम बिंद द्वारा लिखित स्त्री बिंब और टीवी सीरियल पुस्तक व शोध पत्रों को एकत्रित करते हुए स्मारिका का विमोचन किया गया।

चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जींद
Established by the State Legislature Act 28 of 2014
recognized by UGC Act 1956 U/S 12 B & 2(f)

Public Relations Office

Newspaper: Hari bhoomi **Date: 17-03-2023**

हरिभूमि

रोहतक - जीन्द

17 Mar 2023

चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में व्याख्यान का आयोजन

विद्यार्थियों को दी मीडिया जगत की जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▸▸ जींद

चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग द्वारा विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें वानबी इंडियाज के मैनेजिंग डायरेक्टर मनीष कुमार ने शिरकत की। उन्होंने विद्यार्थियों के साथ मीडिया जगत के बहुत से पहलुओं पर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों के मन, मस्तिष्क में उमड़ रहे मीडिया के क्षेत्र से संबंधित विभिन्न सवालों के जवाब दिए। उन्होंने मीडिया फील्ड की बारीकियों के बारे में छात्रों को बताया। उन्होंने बताया कि कुछ प्रतिशत लोगों की बदौलत ही हमारा भारत टिका हुआ है। इस देश में अगर एक पत्रकार अगर सुरक्षित है तो इसका मतलब यह है कि वे अपना काम सही प्रकार कर रहे हैं। इस दौरान उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से संबंधित, न्यूज रूम, फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी, फील्ड में पत्रकारों को आने वाली कठिनाई पर चर्चा की व गहराई से उन्हें बताया। एक विद्यार्थी के सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि दिल्ली उत्तर भारत में पड़ती है, उत्तर भारत में सबसे अधिक हिंदी बोलने वाले लोग बसते हैं। इसलिए उत्तर भारत की खबरें सबसे अधिक लिखी जाती हैं। दिल्ली की खबर देखने को मिल जाएगी लेकिन विशाखापटनम की खबर नहीं मिलेगी। बदलाव हमें खुद से लाना है। सीएनएन, बीबीसी, अलजजीरा में जाना चाहते हैं तो आपको ये देखना होगा कि हमारे पास ऐसा क्या खास है। पूरा न्यूज चैनल चाहता है की सभी दर्शक सिर्फ हमारा चैनल व खबरें ही देखें। हर प्रकार का ऑडियंस हमारे बीच है। आपको हर चीज पारंगतता के साथ आनी चाहिए व आगे बढ़ने के लिए हमें ऑल राउंडर होना पड़ेगा। जब फील्ड में जाते हैं तो आपके पास हर प्रकार की स्किल होनी चाहिए।

जींद। छात्रों को संबोधित करते हुए मनीष कुमार। फोटो :हरिभूमि

छात्रों को प्रेक्टिकल ज्ञान दिया

इस दौरान उन्होंने छात्रों को डॉक्यूमेंट्री व उनकी कंपनी द्वारा शूटेड कुछ वीडियो दिखाए व छात्रों को प्रेक्टिकल ज्ञान दिया। डीन एवं विभागाध्यक्ष प्रो. एसके सिन्हा ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम विभाग को उजवल बनाते हैं व विद्यार्थी थ्योरी के साथ साथ प्रेक्टिकल स्किल भी सीखते हैं। इस अवसर पर विभाग इंचार्ज डा. बालाराम मौजूद रहे।

Public Relations Office

Newspaper: Punjab kesri **Date: 17-03-2023**

पंजाब केसरी
FRI,17 MARCH 2023
EDITION: JIND KESARI, PAGE NO. 4

छात्रों को दी मीडिया जगत की जानकारी

फील्ड में आने पर हर तरह की स्किल होना जरूरी

जींद, 16 मार्च (ललित): चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग द्वारा विस्तार से व्याख्यान का आयोजन किया गया। इसमें वानबी इंडियाज के मैनेजिंग डायरैक्टर मनीष कुमार ने शिरकत की। उन्होंने विद्यार्थियों के साथ मीडिया जगत के बहुत से पहलुओं पर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों के मन, मस्तिष्क में उमड़ रहे मीडिया के क्षेत्र से संबंधित विभिन्न सवालों के जवाब दिए।

उन्होंने मीडिया फील्ड की बारीकियों के बारे में छात्रों को बताया। उन्होंने बताया कि कुछ प्रतिशत लोगों की बदौलत ही हमारा भारत टिका हुआ है। इस देश में अगर एक पत्रकार सुरक्षित है तो इसका मतलब यह है कि वह अपना काम सही प्रकार से कर रहे हैं। इस दौरान उन्होंने इलैक्ट्रॉनिक मीडिया से संबंधित, न्यूज रूम, फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी, फील्ड में पत्रकारों को आने वाली कठिनाई पर चर्चा की व गहराई से बताया।

एक विद्यार्थी के सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि उत्तर भारत में सबसे अधिक हिन्दी बोलने वाले लोग बसते हैं इसलिए उत्तर भारत की खबरें अधिक लिखी जाती हैं। पूरा न्यूज चैनल चाहता है कि सभी दर्शक सिर्फ हमारा चैनल व खबरें ही देखें। हर प्रकार का ऑडियंस हमारे बीच है। आपको हर चीज पारंगतता के साथ आनी चाहिए व आगे बढ़ने के लिए हमें ऑलराऊंडर होना पड़ेगा। जब फील्ड में जाते हैं तो आपके पास हर प्रकार की स्किल होनी चाहिए।

इस दौरान उन्होंने छात्रों को डॉक्यूमैंट्री व उनकी कम्पनी द्वारा शूटेड कुछ वीडियो दिखाए व छात्रों को प्रैक्टिकल ज्ञान दिया। डीन एवं विभागाध्यक्ष प्रो.एस.के. सिन्हा ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम विभाग को उज्ज्वल बनाते हैं व विद्यार्थी थ्योरी के साथ साथ प्रैक्टिकल स्किल भी सीखते हैं। इस अवसर पर विभाग इंचार्ज डा. बाल राम मौजूद रहे।